This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 1072

Unique Paper Code : 205504 H

Name of the Paper : XVII : Hindi Natak

Name of the Course : B.A. (Hons.) Hindi

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न कीजिए।

1. किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 8 + 7 =15

(क) अंग्रेज राज सुख साज सजे सब भारी।

पै धन बिदेस चलि जात इहै अति ख्वारी।।

ताहू पै मंहगी काल रोग विस्तारी।

दिन-दिन दूने दुःख ईस देत हा हा री।

सबके ऊपर टिक्कस की आफत आई।

हा हा! भारत दुर्दशा न देखी जाई।।

P.T.O.

(ख) फिर महाराज, जो धन की सेना बची थी उसको जीतने को भी मैंने बड़े बाँके वीर भेजे। अपव्यय, अदालत, फैशन और सिफारिश—इन चारों ने सारी दुश्मन की फौज तितिर-बितिर कर दी। अपव्यय ने खूब लूट मचाई। अदालत ने भी अच्छे हाथ साफ किए। फैशन ने तो बिल और टोटल के इतने गोले मारे कि अंटाधार कर दिया। और सिफारिश ने भी खूब ही छकाया। पूरब से पच्छिम और पच्छिम से पूरब तक पीछा करके खूब भगाया।

(ग) निर्लज्ज! मद्यप! क्लीव!!! ओह, तो मेरा कोई रक्षक नहीं (ठहरकर) नहीं, मैं अपनी रक्षा स्वयं करूँगी। मैं उपहार में देने की वस्तु, शीतलमणि नहीं हूँ। मुझमें रक्त की तरल लालिमा है। मेरा हृदय ऊष्ण है और उसमें आत्म-सम्मान की ज्योति है। उसकी रक्षा मैं ही करूँगी।

(घ) राजा यानी अनुरंजक! हम जिसे राजा घोषित करेंगे वह हमारा अनुरंजक और धर्म का रक्षक होगा, इसलिए नहीं कि उसमें ईश्वर की शक्ति, या देवताओं के तेज का स्वरूप है, बल्कि इसलिए कि उसके अधिकारों की बुनियाद होगा हमारा दिया हुआ विधान, हमारी बाँधी गई शर्तें।

भारतेन्दु हरिश्चंद कृत 'भारत दुर्दशा' नाटक की तात्विक समीक्षा कीजिए। 15

अथवा

'भारत दुर्दशा' नाटक की प्रतीकात्मकता पर प्रकाश डालिए।

प्रसाद कृत 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में स्त्री-चेतना की अभिव्यक्ति मिलती है। स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के आधार पर ध्रुवस्वामिनी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

जगदीश चंद्र माथुर के 'पहला राजा' की नाट्य-भाषा पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

राम कुमार वर्मा के एकांकी 'चारुमित्रा' के आधार पर चारुमित्रा का चरित्र-चित्रण कीजिए।

किसी एक का उत्तर दीजिए : 15

(क) स्वदेश दीपक कृत 'कोर्ट मार्शल' नाटक सामाजिक विसंगतियों का उद्घाटन करता है। इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ख) मीरा कान्त कृत 'नेपथ्य राग' पितृसत्ता एवं स्त्री आकांक्षा के संघर्ष की कथा है।' इस कथन के आलोक में अप विचार व्यक्त कीजिए।

(ग) लक्ष्मी नारायण लाल कृत 'सत्य हरिश्चंद्र' नाटक के क पर प्रकाश डालिए।

(घ) लक्ष्मी नारायण मिश्र के नाटक 'मुक्ति का रहस्य' आधुनिकता एवं परंपरा के द्वंद्व को स्पष्ट कीजिए।